BJS
Bharatiya Jain Sangathan



श्री शांतीलाल मुथ्था
संस्थापक

भारतीय जैन संगठन
समाचार

मई 2015
अंक 5

www.bjsindia.org

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलाम से 2

शिक्षा एवं केरियर - महत्वपूर्ण लेख 3



शिक्षा और कैरिअर



नेपाल - भूकंप व्रतांत चित्र समाचार 4-5



कार्यक्रम एवं गतिविधि समाचार 6



अल्पसंख्यक सूचनाएँ, जानकारी एवं समाचार 7

नेपाल पुनर्वसन -अस्पतालों का निर्माण 8





राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से ....

प्रिय आत्मजन्

शिक्षा व केरियर विषय पर मई माह के इस अंक को आप तक पहुंचाते हुए प्रसन्नता अनुभव कर रहा हूं। विश्वास है कि इस समाचार पत्रिका के माध्यम से विभिन्न सामाजिक विषय पर मेरे विचारों को आप तक पहुंचाने व आपसे संवाद स्थापित करने का सौभाग्य प्राप्त कर रहा हूं। प्राथमिकताओं एवं प्रासंगिताओं पर आधारित यह अंक शिक्षा एवं केरियर विषय पर है।

आपको विदित ही है कि भारतीय जैन संगठन पिछले अनेक वर्षों से विद्यार्थियों हेतु केरियर मार्गदर्शन कार्यशालाओं का आयोजन करता रहा है। बदलते सामाजिक परिवेश में देश में ही नहीं अपितु समस्त विश्व में शिक्षा के स्वरूप तथा क्षेत्र नित नवीन तरीकों से परिभाषित हो रहे हैं, अत: केरियर मार्गदर्शन के महत्व को समझना विद्यार्थियों एवं अभिभावकों हेतु आवश्यक होता जा रहा है।

वैश्वीकरण की प्रक्रिया में व्यापार, वाणिज्य, व्यवसाय, तकनीकी आदि की सभी सीमाएं पिछले कुछ दशकों में टूटी हैं व इन वास्तविकताओं से लगभग हम सभी अवगत भी हैं। विकास कर रही हमारी युवा पीढी व उनके भविष्य निर्माण में सुसस्जता हेतु अब सम्पुर्ण विश्व एक मंच के रुप में उपलब्ध है। ज्ञान, इन्फोर्मेशन टेक्नोलोजी व सर्विस सेक्टर के द्रुत आगमन से हमारी नव पीढी हेतु संभावनाओं एवं अवसरों के असंख्य द्वार खुले हैं। तकनीकी प्रगति व उसके नवीन अनुप्रयोगों विशेषकर संदेश व्यवहार,सूचना प्रौद्योगिकी एवं ज्ञान आदि से नित बढ रही विकल्पों की संख्या व अवसरों के विस्फोट का दोनों हाथो से लाभ लेना ही युवा पीढ़ी के लिए हितकर है।

हालाकि वैश्वीकरण व उपलब्ध अवसरों के संदर्भ में पूरे विश्व में सकरात्मक परिवर्तन दृष्टिगोचर होना शुभ संकेत है किन्तु सावधान रहने की आवश्यकता है क्योंकि निर्मित हो रहे स्पर्धात्मक वातावरण में योग्य तरीकों से ज्ञान व दक्षता प्राप्त करना नितांत आवश्यक हो गया है। अब यह ठीक से समझ लेना होगा कि स्पर्धा के इस दौर में अपेक्षित क्षमताओं के विकास से ही सफल प्रतिस्पर्धी तैयार होंगे।

हमारे चारों और बदलते वातावरण मे मांग के अनुरुप स्वयं को प्रस्थापित करने की कला प्रत्येक विद्यार्थी एवं युवा को सीखनी होगी जो उपलब्ध अवसरों एवं विकल्पों के उचित चयन से संभव है और यहीं उसे उस मार्गदर्शक की आवश्यकता महसुस होगी जिससे केरियर चयन मे उसकी नैसर्गिक क्षमताओं, रुचियों व आदर्शों के अनुकूल मार्गदर्शन प्राप्त हो सके। अच्छे व अनुभवी मार्गदर्शक से प्राप्त केरियर मार्गदर्शन निश्चित ही कारागर साबित होंगे।

भारतीय जैन संगठन विद्यार्थियों एवं युवाओं में छिपी नैसर्गिक क्षमताओं के अनुसंधान में उन्हें मार्गदर्शन देने का कार्य अनेक वर्षों से कर रहा है। हमें यह सदैव स्मरण में रखना होगा की युवाओं में छिपी प्रतिभाओं के व्यर्थ होने को समाज वहन करने की स्थिति में नहीं है अत: हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें योग्य निर्णयों तक पहुंचाने में सलाह व मार्गदर्शन प्राप्त होता रहे ताकि वे स्वयं के योग्य केरियर संबंधी विषय की जड तक पहुंच सकें। यह सर्वविदित है कि केरियर मार्गदर्शन विद्यार्थियों एवं युवाओं को उनकी स्वयं की विशिष्टताओं, रुचियों एवं योग्यताओं के अनुरुप केरियर चयन का सशक्त माध्यम बन चुका है। भारतीय जैन संगठन समाज व राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में इस महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व को केरियर मार्गदर्शकों एवं विशेषज्ञों के माध्यम से परिपूर्ण करने हेतु संकल्पित है।

मित्रों ! मैं एक और विषय पर आपसे बातचीत करना चाहता हूं जो फिलहाल हमारी प्राथमिकताओं मे है। आपको विदित ही है कि लगभग एक माह पूर्व पड़ोसी देश नेपाल में विनाशक भूकंप व तत्पश्चात आ रहे झटको से वहां जान माल की अकल्पनीय क्षति हुई है। इस प्राकृतिक विपत्ति में पहाड़ो पर बसने वाली नेपाली प्रजा अत्यंत ही कठिन दौर से गुजर रही है। भारत ने पडोसी देश में पूरी क्षमताओं के साथ बचाव व राहत कार्य तुरंत प्रारंम्भ कर मानवता का श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत किया है। भारतीय जैन संगठन सदैव की भांति राहत व बचाव कार्यों को अंजाम देने हेतु शांतिलालजी मुथ्था के मार्गदर्शन व स्वयं मेरे नेतृत्व में बी जे एस की समर्पित कार्यकर्ताओं की टीम इस अभियान के सफल व समयोचित निष्पादन हेतु संकल्पित है। इस अंक में नेपाल में हुई विनाशिका का वृतांत व भारतीय जैन संगठन द्वारा नेपाल में ग्राम्य क्षेत्रों में 100 अस्पतालों के निर्माण की परियोजना का विवरण प्रकाशित किया है। मुझे विश्वास है कि आपकी शुभेक्षाओं, सहयोग व समर्थन से यह परियोजना समय से पूर्ण होगी।

प्रफुल्ल पारख
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय जैन संगठन

संपादक मण्डल

BJS भारतीय जैन संगठन समाचार

संपादक
प्रफुल्ल पारख, पुणे

कार्यकारी संपादक
निरंजन कुमार जुवाँ जैन, अहमदाबाद

सदस्य
कैलाशमल दुगड़, चैन्नई
सुरेश कोठारी, अहमदाबाद
सुदर्शन जैन, बडनेरा
वीरेंद्र जैन, इंदौर
महेश कोठारी, गोंदिया
संजय सिंघी, रायपुर
राजेंद्र लुंकड़, इरोड



इनसे मिलिये

भारतीय जैन संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री सुदर्शन जैन



श्री सुदर्शन जैन शांतिलालजी मुथ्था के सामाजिक विचारों व कार्यप्रणाली से प्रभावित होकर भारतीय जैन संगठन से वर्ष 1990 में जुडे। 15 वर्षों की इस लंबी यात्रा में भारतीय जैन संगठन मे विभिन्न पदों पर सुशोभित रहे जिसमें महाराष्ट्र राज्य सचिव, विदर्भ अध्यक्ष, महाराष्ट्र राज्याध्यक्ष, राष्ट्रीय मंत्री, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य आदि मुख्य है। वर्तमान मे आप भारतीय जैन संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं व संस्था द्वारा संचालित अल्पसंख्यक लाभ जन जागृति अभियान की राष्ट्रीय प्रभारी टीम के सदस्य हैं। आपने १५ वर्षो के कार्यकाल मे महाराष्ट्र ही नहीं अपितु सम्पूर्ण देश में भ्रमण कर भारतीय जैन संगठन के नेटवर्क को अनेक राज्यों में स्थापित किया। भारतीय जैन संगठन के उपक्रम के Federation of Jain Educational Institute मे ट्रस्टी एम्पावरमेंट कार्यशालाओं का विभिन्न राज्यों के अनेक विद्यालयों में संचालन किया।

अमरावती (महाराष्ट्र) निवासी, 59 वर्षीय श्री सुदर्शन जैन विरल एवं आध्यात्मिक व्यक्तित्व के धनी, समाजसेवी, म्रदुभाषी, श्रेष्ठ वक्ता हैं। आप अभिनंदन अर्बन बैंक के पूर्व अध्यक्ष हैं व बैंक के विकास हेतु आपने कठोर श्रम किया है। मेलघाट (महाराष्ट्र) की जनजाति के 328 छोटे बच्चों के शैक्षणिक व सामाजिक उत्थान व विकास हेतु भारतीय जैन संगठन के पुणे स्थित पुनर्वास केंन्द्र में लाने में आपने रचनात्मक भूमिका अदा की । अमरावती शहर व आसपास के क्षेत्र में विभिन्न संस्थाओं, ट्रस्टों, धार्मिक स्थलों व सामुदायिक भवनों आदि के निर्माण व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करते आ रहे हैं। अमरावती पुलिस कमिश्नर द्वारा गठित शांति समिति के आप सदस्य हैं। आर्थिक रुप से विपन्न रोगियों हेतु डा. दीक्षित के प्लास्टिक सर्जरी शिविरों क सफल आयोजन आपने किया है। नेत्र परीक्षण शिविर, रक्तदान शिविर व अन्य उपचार शिविरों का आयोजन में आपकी सक्रिय भूमिका बनी रहती है। डा. बाबासाहेब आंबेडकर जयंती पर आयोजित सर्वधर्म सद्भावना रैली में आपको जिला स्तर पर सम्मानित किया गया । धार्मिक व अध्यात्मिक वाचन में आपकी गहरी अभिरुचि है। आपके व्यक्तिगत पुस्तकालय में 4000 पुस्तकें संग्रहित हैं, जिनका अध्ययन एवं वाचन आप कर चुके हैं।

आधुनिक शिक्षा प्रणाली मे युवाओं की वैचारिक महत्वकांक्षाओं पर लक्ष्य करना अब आवश्यक

सभ्यता के उद्गम से ही, युवा वर्ग की समाज में अहम् भूमिका रही है और उन्हें समाज का कर्णधार भी कहा जाता है। आधुनिक युग में तकनीकी, तकनीक, अवधारणा या अभिप्राय, विचारधारा, मान्यताओं एवं संकल्पनाओं में आ रहे बदलावों तथा रूपांतरणों के हम सभी प्रत्यक्षतः साक्षी हैं। बदलते सामाजिक एवं आर्थिक समीकरणों में युवा वर्ग की आकांक्षाओं एवं महत्वकांक्षाओं में वृद्धीगत बदलाव अत्यंत ही स्वाभाविक है, वहीं तकनीकी युग के आगमन से अर्थकरण के नए वैश्विक क्षितिजों के उदयके साथ इन युवाओं हेतु असीमित अवसरों की संभावनाओं के नित नए द्वार खुल रहे हैं।

युवाओं की उत्सुकताएं एवं महत्वकांक्षाएँ मुख्यतः तीन परिवर्तनशील मुद्दों पर आधारित हैं जिनमें सामाजिक आर्थिक स्थिति, शैक्षणिक स्तर तथा ग्राम्य या शहरी आवास है। ग्रामीण क्षेत्र के युवा का संबंध अक्सर उस दुनिया से है जिससे उसका आमना सामना प्रतिदिन होता है। जबकि महानगरीय युवा के संदर्भ मे यह स्थिति पूर्णतः विपरीत है। छोटे नगरों/शहरों का युवा वास्तविक परिवर्तनों की दहलीज पर खड़ा होता है अतएव वह ग्राम्य जड़ो से पूर्णतः कट नहीं पाता है किन्तु साथ ही शहरी प्रभाव में जकड़ता जाता है और यही कारण है कि उसमें भी उच्च अपेक्षाएँ उसकी उत्सुकताओं एवं महत्वकांक्षाओं में परिलक्षित होती दिखाई देती हैं।

आज के युवा वर्ग की वैचारिकी विस्तृत होती जा रही है जिससे वे सामाजिक, आर्थिक व शैक्षणिक बदलावों के साथ सहजता से सामंजस्य स्थापित करने में दक्षता प्राप्त कर रहे हैं। तकनीकी प्रयोग से आज का युवा सूचनाओं से पूर्णरूपेण माहितगार रहता है और यही उसकी विशिष्ट महत्वकांक्षाओं का आधार भी है। पेशे (केरियर) के असीमित विकल्पों के साथ ज्ञान व शिक्षा की पारंपरिक सीमाओं को वह लांघना चाहता है जिस हेतु उपलब्ध सूचना प्रौद्योगिकी सहाय रूप बन पड़ी है। आधुनिक युग का युवा समीक्षक एवं विश्लेषी है क्योंकि वह स्वयं के विचारों के अभिनवी पोषण में वैश्विक संसाधनों एवं तकनीकी के प्रयोग में दक्षता प्राप्त कर रहा है।

उच्च दक्षता, नव प्रयोग, नव तकनीकी के अन्वेषण से अभिभूत वैचारिकी युवाओं को सशक्त तो कर रही है किन्तु महत्वकांक्षाओं की अधिकता व एक साथ एक से अधिक लक्ष्य निर्धारण भी असफलताओं का कारण बन रहा है। इसी कारण से यह अत्यंत ही महत्वपूर्ण है कि युवाओं को योग्य तरीकों से मार्गदर्शित किया जाये ताकि वे अभिरुचि के क्षेत्र मे सफल हो सके। युवाओं को व्यावहारिक शिक्षण देने की आवश्यकता है ताकि वे बुद्धिमान, स्वस्थ उपभोक्ता एवं अभिनव उत्पादनकर्ता बने। युवाओं की संकल्पनाओं से ही सकारात्मक रुख उपस्करणीय नवपरिवर्तनों एवं तकनीकी माध्यमों से संभव है। उनकी विचारधाराओं को विस्तृत करने के साथ उनकी क्षमताओं से उन्हें परिचित कराने की आवश्यकता है ताकि वे निर्णायक भविष्य का लक्ष्य निर्धारित कर सके।

पेशे (केरियर) की पसंदगी जीवन के संदर्भों, नैसर्गिक क्षमताओं, शैक्षणिक लायकतों पर निर्भर करती है किन्तु यह अभिभावकों एवं शिक्षकों का उत्तरदायित्व है कि उन्हे उचित केरियर सही उम्र व सही समय पर चुनने में मदद करे ताकि वे रुचि के व्यवसाय,व्यापार या शिक्षा में प्रवेश कर सकें।

युवावर्ग मिट्टी के उस लोन्दे के समान है जिसे इच्छित आकार प्रदान किया जा सकता है, बशर्ते कि बदलते समय की मांग के अनुरूप समाज उन्हें आवश्यक सरंजाम उपलब्ध कराये। इस संबंध में ऐसी पहल जैसे Business Exposure Tour, Business Development Workshops, Career Guidance तथा Personality Development Camps के आयोजनो से की जानी चाहिए जिससे युवाओं की सहायता उनकी क्षमताओं एवं विचारों को योग्य माध्यमों से कार्यपरिणिति करने मे हो सके। युवावर्ग की अपेक्षाओं एवं महत्वकांक्षाओं को समझने व सहायभूत होने हेतु तालमय कदमों से हमें वह स्तंभस्वरूप भूमिका निभानी होगी जो उनकी सफलताओं के सेतु समान हो।

वैश्वीकरण के युग में व्यवसाय एवं व्यावसायिक शिक्षा का बढ़ता महत्व

एक जमाना था जब मेघावी छात्र हेतु मेडिकल या इंजीनियरिंग की डिग्रीयाँ ही एक मात्र विकल्प था. तब कला, वाणिज्य तथा विज्ञान के अनुस्नातकों को भी मन पसंद नौकरियाँ मिल जाया करती थी किन्तु अब ये सब भूतकाल की बातें बन चुकी हैं. अब जहाँ मेडिकल या इंजीनियरिंग की डिग्रियों के साथ उच्च व श्रेष्ठ पेशे (केरिअर) हेतु विशेषज्ञता प्राप्त करना आवश्यक हो गया है वहीं बदले हुए शैक्षणिक व व्यावसायिक माहौल में विशेषज्ञता प्राप्ति व विद्यार्थियों की निपुणता व पसंदगी के अनुसंधान में आवश्यकताओं के अनुरूप नित नए कोर्स तथा पाठ्यक्रम अस्तित्व में आ रहे हैं.

वैश्विकरण के इस युग में शिक्षा के बदले हुए स्वरूप व प्रतिस्पर्धात्मक माहौल में युवा पीढ़ी प्रतिपल नवीन एवं मौलिक प्रस्तावों से रूबरू हो रही है. यही कारण है कि अब विद्यार्थियों हेतु पेशे (केरियर) विकल्पों की पसंदगी व लक्ष्य प्राप्ति हेतु व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करना आवश्यक होता जा रहा है. आधुनिक युग में युवा पीढ़ी के समक्ष व्यवसाय व पेशे (केरियर) संबंधी असीमित चुनौतियाँ हैं, जिसका समाधान मात्र व्यावसायिक दक्षता से ही संभव है. दूसरी और प्रचुर विविधता लिए व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की उपलब्धता, अवसरों के उन द्वारों को खोल रही है जिनमें आज की यह युवा पीढ़ी बेहतर भविष्य की आशाओं के साथ प्रवेश कर रही है.

उल्लेखनीय है कि आज की शिक्षा पद्धति उन विशेषज्ञों को जन्म दे रही है जिनके लिए अर्थपद व रूचिकर आर्थोपोजन के विकल्प सदैव उपलब्ध रहेंगे, जो कुछ वर्षों पूर्व अकल्पनीय या स्वप्न मात्र था. आधुनिक युग में अब शिक्षा वह मंच प्रदान कर रही है जिसमें समाज स्वयं की आवश्यक्ताओं का निरीक्षण कर अभिनव तरीकों से पूर्ति व समाधानों को सुनिश्चित कर रहा है. आज का युवा खेलकूद, पाक कला, ऑनलाईन व्यापार, केशकला, पोशाक आदि विविध क्षेत्रों में उपलब्ध चुनिन्दा नए पाठ्यक्रमों की सहायता से पेशेगत नए एवं विशिष्ट क्षेत्रों में पदार्पण कर रहा है, जिस हेतु अब परिवारजन की तरफ से भी उसे प्रोत्साहन व समर्थन प्राप्त हो रहा है.

व्यावसायिक शिक्षण ने सेवाकीय क्षेत्र के विकास को उत्तेजना प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है. शिक्षा के बल पर ही आर्थिक व सामाजिक प्रगति द्वारा समाज अब नया स्वरूप प्राप्त करता जा रहा है शिक्षा ही वह माध्यम है जिससे समाज उसके चारों और व्याप्त सृष्टि को योग्य मान्यताओं सहित अभिनवताओं के पथ एवं अर्थ से परिभाषित कर रहा है.

तकनीकी प्रगति व्यापक रूप से शिक्षा आधारित हो गई है क्योंकि वैयक्तिक स्तर पर दक्षताओं के अर्जन से वास्तविक जीवन में विलक्षणताएँ हासिल करना अब अत्यंत ही साधारण बात है. आधुनिक युग में रोजगार भी संपूर्णतः शिक्षा आधारित हो गया है. कर्मचारियों का दक्ष होना नितांत आवश्यक है क्योंकि तकनीकी आधार पर ही अब उसे कार्यो को अंजाम देना है. कर्मचारी चाहे उद्योग में हो या कृषि क्षेत्र में, तकनीकी दक्षताओं से सुसज्ज होना अनिवार्य है. रोजगार प्राप्त करना हो या उद्यम की दुनिया में प्रवेश करना हो, बदले शैक्षणिक समीकरणों में व्यवसायीलक्षी व्यावसायिक डिग्रीयों का महत्व समान रूप से बढ़ता जा रहा है.

व्यापार एवं प्रबंधन अब ज्ञान वृद्धि ही नहीं उपितु दक्षता आधारित अर्थव्यवस्था के युग में प्रवेश कर रहा है. ग्राहकों की बदल रही मानसिकता के चलते अब कर्मचारियों व व्यवसायियों को उन्हें संतुष्ट व खुश रखने हेतु उच्च व गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ प्रदान करने में विशिष्टताओं की आवश्यकता है. आधुनिक प्रबंधन पद्धति में अब उच्चशिक्षित व्यक्तियों द्वारा लिए जाने वाले योग्य निर्णयों का व्यावसायिक संस्थानों हेतु भी महत्व बढ़ता जा रहा है. इन सभी कारणों से विद्यार्थियों एवं युवाओं हेतु तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा अनिवार्य होती जा रही है ताकि वे वैश्विक सेवाकीय क्षेत्रों में आर्कषक रोजगार माध्यमों से स्वयं को तराशने में सफल हो सकें या फिर सफल उद्यमी बनने हेतु प्रयाण कर सकें.

21 वी शताब्दी में तीव्र गति से आ रहे बदलाव चुनौतियों के समान है, जिनका मुकाबला सफल जीवन एवं अस्तित्व हेतु आवश्यक है, यह समय का तकाजा है कि व्यावसायिक व तकनीकी विशेषज्ञों हेतु केरियर पसंदगी की संभावना के बढ़ते महत्व को प्रत्येक विद्यार्थी को मन मस्तिष्क पर बैठा लेना होगा. यह उनके हित में तो है ही साथ ही इसका समाज व राष्ट्र पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा.



विनाशक भूकंप ने एक बार पुनः साबित किया कि मनुष्य प्रकृति के सामने बौना है।





भारत नेपाल संबंध सदैव से ही मधुर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सरकार व देशवासियों से इस विपत्ति के समय उन्हें हर संभव सहायता करने की अपील की। भारतीय जैन संगठन मानवीय आधार के साथ दोनों देशो के बीच सम्बन्धों की प्रगाढ़ता के मद्देनजर नेपाल मे राहत व बचाव कार्यों मे जुटा है। भारतीय जैन संगठन पिछले तीन दशकों से आपदा प्रबंधन में वृहद अनुभव के साथ उसकी विशिष्ट कार्यशैली में मानवता की सेवा करता आ रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख के नेतृत्व में अभियान प्रबन्धक श्री अशोक पवार के साथ भारतीय जैन संगठन की बचाव व राहत टुकड़ी तुरंत ही नेपाल पहुंची व संस्थापक शांतिलालजी मुथ्था के निर्देशन में राहत कार्य प्रारम्भ किया।

विनाश ही विनाश

२५ अप्रेल २०१५ को ७.८ के परिमाण में आए विनाशक भूकंप व तत्पश्चात लगातार आ रहे झटकों से ८००० से ज्यादा मानव मौतें, ३९ जिलों के ५० लाख से अधिक प्रभावित व २ लाख से अधिक बेघर हुए। समाचारों के अनुसार स्वास्थ सुविधाएं रामचाख, मुवाकोट, सिंधुपालचौक एवं गोरखा आदि जिल्लों पूर्णरूप से ध्वस्त हो गई। १९ मई १५ को नेपाल सरकार के स्वास्थ एवं जनसंख्या विभाग द्वारा जारी एवं प्रकाशित विज्ञप्ति में कहा गया कि ११०० से अधिक स्वास्थ केंद्र या तो पूर्ण या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। भूकंप असरग्रस्त अधिकांशत: उन गावों मे रहते हैं जो दूरदराज पहाडों में स्थित हैं जहां संचार व परिवहन संपर्क न होने से राहत, बचाव तथा पुनर्वास कार्य में गंभीर अवरोध उत्पन्न हो रहा है।





भूकंप के झटकों का आतंक - किन्तु जीवन सबको प्यारा

१२ मई १५ को ७.३ के परिमाण में पुन: आए भूकंप के कहर से डर का आतंक इस तरह चारों और फैला कि अगले भूकंप का डर प्रत्येक पर मंडराने लगा। इतना ही टूटे हुए घरों से बाहर रहने पर मजबूर नेपालियों के धैर्य की परीक्षा बरसात ने भी ली। इस त्रासदी के बावजूद अच्छे कल की आशा में नेपाली प्रजा उनकी जीवन रूपी गाडी को फिर से पटरी पर लाने के प्रयासों में जुट गई है।







भारतीय जैन संगठन का पुनर्वास कार्य - गति एवं परिमाण

रूठी प्रकृति का कहर और तबाही के आलम से जूझ रहा नेपाल।

प्रकृतिक आपदा प्रबंधन में ३० वर्षों के अनुभवों के साथ बीजेएस नेपाल में सर्वप्रथम पहुँचने वाली संस्थाओं में से एक थी। बीजेएस संस्थापक श्री शांतिलाल मुथ्था एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख भी तुरंत ही भूकंप प्रभावित नेपाल पहूंचे। उनके नेतृत्व एवं मार्गदर्शन मे बचाव व राहत करी टुकडी का गठन कर धरातलीय राहत कार्यों को गतिमान किया जो आज भी चल रहा है।

बीजेएस को नेपाल सरकार के स्वास्थ मंत्रालय ने अत्यंत ही प्रभावित जिले पंचखाल मे मेडिकल राहत कार्य करने की प्रार्थना की। दो एंबुलेंस बीजेएस द्वारा नेपाल भेजी गई जिसमें से एक critical care trauma unit से सुसज्ज है। जिसका पूर्ण उपयोग नेपाल के डाक्टरों द्वारा राहत कार्यों हेतु हो रहा है।

बीजेएस टीम का चमत्कार

बीजेएस की राहत एवं बचाव कार्य टुकडी के सदस्य निष्ठा, समर्पण व सेवाभाव के साथ दिन रात राहत एवं पुनर्वास कार्यों मे लगे हुए हैं। हृदयस्पर्शी एवं स्वार्थरहित बीजेएस की इस टुकडी के सदस्य चाहे वह एंबुलेंस के ड्राईवर की भूमिका हो या राहत कार्य मे वितरण किए जाने वाले भोजन को बनाने हेतु भोजन कक्ष में रसोइये की भूमिका, सभी में खरे उतर रहे हैं। उनकी निष्ठा व सेवाभाव के कारण ही भूकंप होनरात के एक माह बाद भी सेवा कार्य उसी गति व भावना से चलायमान है।

मात्र १०० दिनों में नेपाल के ग्रामीण दूरदराज़ पहाड़ी क्षेत्रों में १०० अस्पतालों का निर्माण

बीजेएस संस्थापक श्री शांतिलालजी मुथ्था ने स्वयं नेपाल पहूँचकर असरग्रस्त क्षेत्राओं का दौरा किया व नेपाल में स्वास्थ सुविधाओं की मॉनसून से पूर्व बहाली की आवश्यकता पर चिंता व्यक्त की। इसी सभा में बीजेएस द्वारा १०० अस्पतालों के निर्माण का प्रस्ताव रखा गया जिसे नेपाल सरकार ने स्वीकृत किया।

प्रत्येक अस्पताल में डिस्पेन्सरी, क्लिनिक, प्रसूति वार्ड, स्वागत कक्ष, प्रतिक्षालय, शौचालय एवं कर्मचारी आवास आदि सहित भूकंप व अग्नि प्रतिरोधक भवन का निर्माण होगा। एक अस्पताल की अंदाजित कीमत १६ लाख है। अत: इस परियोजना हेतु वित्तीय संसाधन खड़े करनी की आवश्यकता है। भारतीय जैन संगठन समाजजन से प्रार्थना करता है के वे इस परियोजना में सहयोग हेतु आगे आये। अस्पताल के सम्पूर्ण सौजन्यकर्ता बनने का सौभाग्य प्राप्त कर इस परियोजना का महत्त्वपूर्ण हिस्सा बने। इच्छित दान राशि भी देने का प्रावधान है। प्रत्येक अस्पताल का उद्घाटन सौजन्यकर्ताओं के करकमलों से होगा व उनका नाम भी स्थाईरूप से अस्पताल भवन पर अंकित रहेगा।


अस्पताल का प्रस्तावित बाहरी दृश्य

युवती सशक्तीकरण कार्यशालाएँ चित्र समाचार

रत्नाकर महाजन(6-8 मई),जयसिंगपुर



राजेंद्र लुंकड (22-24 मई), हुबली




राजश्री चौधरी (29 अप्रैल I मई),भोपाल


अनिता जैन (15-17 मई), उज्जैन

शिन्जिता अग्रवाल(बरौत) (13-15 मई), हुबली





युवती सशक्तीकरण कार्यशालाएँ चित्र समाचार

संजय सिंघी (30 मई-1जून),धमतरी





भारतीय जैन संगठन :कार्यक्रम एवं गतिविधि समाचार

गुजरात राज्य कार्यकारिणी की प्रथम सभा सम्पन्न हुई

गुजरात राज्य कार्यकारिणी की प्रथम सभा 3 मई 15 को आत्मीय संकुल राजकोट मे आयोजित हुई। नव नियुक्त राज्य व जिला पदाधिकारी बडी संख्या मे उपस्थित रहे। बी जे एस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री सुरेश कोठारी एवं राष्ट्रीय मंत्री श्री राजेंद्र लुंकड उपस्थित रहे। राजाध्यक्ष सुश्री मालतीबेन मेहता ने सभी का स्वागत किया। उपस्थित 52 पदाधिकारियों के स्व–परिचय के पश्चात श्री सुरेश कोठारी ने बी जे एस के इतिहास से लेकर वर्तमान कार्यप्रणाली व परियोजनाओं पर चर्चा के उपरांत श्री शांतिलाल मुथ्था व श्री प्रफुल्ल पारख के संकल्पों से सभाजन को माहितगार किया। इस अवसर पर पूज्य त्याग वल्लभ स्वामी ने सभा को आशीर्वाद प्रदान किए व राष्ट्र निर्माण में जैन संगठन की भूमिका की सराहना की।
श्री राजेंद्र लूंकड ने नव नियुक्त पदाधिकारियों से बी जे एस के विभिन्न कार्यक्रमों व उनके आयोजनों के संबंध में विस्तृत चर्चा की तथा बी जे एस की कार्यप्रणाली पर सम्पूर्णरुप से प्रकाश डालते हुए उनके समाज व बी जे एस के प्रति कर्तव्यों का बोध कराया। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्री निरंजन जुवाँ जैन ने बी जे एस के अल्पसंख्यक लाभ जन जागृति अभियान पर प्रकाश डाला।



युगल सशक्तिकरण कार्यशाला राजकोट मे आयोजित हुई



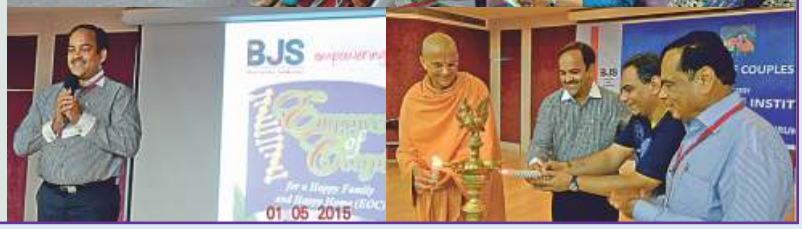

1 व 2 मई को आत्मीय संकुल राजकोट में युगल सशक्तिकरण कार्यशाला व प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का संयुक्त आयोजन गुजरात राज्य कार्यकारिणी समिति के तत्वाधान में हुआ। मुख्य प्रशिक्षक श्री राजेंद्र लूंकड ने 38 युगलों व 24 प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षित किया।

कार्यशाला का शुभारंभ पूज्य आत्मवल्लभ स्वामी के आशीर्वाद एवं करकमलों से हुआ। जाने माने लेखक श्री जय वसावडा एवं श्री नलिन झवेरी व श्री सुरेश कोठारी व गुजरात राज्याध्यक्ष मालतिबेन मेहता उपस्थित रहे। दो दिवसीय कार्यशाला का अत्यंत ही सफल रही व मुख्य प्रशिक्षक श्री राजेंद्र लूंकड ने सराहनीय एवं सफल प्रशिक्षण प्रदान किया। गुजरात राज्य सचिव श्री मुकेश मेहता ने कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु अथक परिश्रम किया।





उत्तर पूर्वी राज्यों मे बी. जे. एस. की गतिविधियां प्रारम्भ हुई।

बी.जे.एस. राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के सदस्य सर्वश्री रजनीश जैन एवं महेंद्र कटारिया नागपुर ने आसाम एवं बंगाल का दौरा किया व भा.जे.सं का इन राज्यों में नेटवर्क स्थापित करने हेतु रचनात्मक प्रयास किए। 20 मई को गौहाटी, 21 मई को सिलिगुडी व 22 मई को कोलकता वैवाहिक रिश्ते तय करने की नवीन प्रक्रिया व अल्पसंख्यक लाभों पर व्याख्यान दिये व भा.जे.सं द्वारा समाज व राष्ट्र निर्माण हेतु किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला व उपस्थित जैन समुदाय को सामाजिक गतिविधियों से जुडने हेतु प्रार्थना की। आयोजन को सफल बनाने मे बी.जे.एस. की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के सदस्य श्री मनोज सेठिया, प्रदीप संचेती व कोलकता के श्री सोनू जैन ने सराहनीय प्रयास किए।



महाराष्ट्र मे बी. जे. एस. नेटवर्क को वृहद व सशक्त करने हेतु पदाधिकारी प्रशिक्षण सम्पन्न

महाराष्ट्र राज्य बी.जे.एस. के पदाधिकारियों के सशक्तिकरण हेतु पदाधिकारी प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन दि. 23 व 24 मई को कोल्हापुर मे हुआ। पदाधिकारियों को श्री कोठारी ने समाज के प्रत्येक स्तर तक पहुंचकर कार्य करने के उत्तरदायित्वों तथा बी.जे.एस. के विभिन्न कार्यक्रमों एवं योजनाओं के क्रियान्वयन में उनकी भूमिकाओं पर गहराई से प्रकाश डाला। संस्थापक श्री शांतिलाल मुथ्था की सामाजिक दूरदृष्टि एवं विचारधारा की विवेचना करते हुए सामाजिक, शैक्षणिक व प्रकृतिक विपत्तियों में कार्यरत बी.जे.एस. के विभिन्न कार्यक्रमों को समाजहित में समाज के प्रत्येक परिवार तक ले जाने हेतु आहवान किया। आपने प्रकृतिक आपदाओं बी.जे.एस. के अब तक किए गए कार्यों का लेखा जोखा प्रस्तुत किया व बतलाया कि नेपाल में 100 दिनों में 100 अस्पताल निर्माण की योजना पर कार्य प्रारम्भ किया जा चुका है। इस अवसर पर राजध्यक्ष श्री पारस ओसवाल, राज्य मंत्री श्री अभिनंदन खोत, विभागीय अध्यक्ष एवं मंत्री तथा राज्य कार्यकारिणी सदस्य बडी संख्या में उपस्थित रहे।



अल्पसंख्यक सूचनाएँ, गतिविधियाँ एवं समाचार

जैन अल्पसंख्यक विद्यार्थियों को मिलने वाले लाभ

कक्षा 1 से लेकर पी.एच.डी. तक के कोर्स या विदेश मे अध्ययनरत विद्यार्थियों हेतु छात्रवृत्ति, ऋण या फॅलोशिप (पात्रता के अधीन) देने का प्रावधान है. मुख्य योजनाये निम्नहैं:

प्री–मेट्रीक स्कोलरशिप

कक्षा /कोर्स का नाम	छात्रवृत्ति कुल देय राशि (अधिकतम) वार्षिक		शैक्षणिक वर्ष 15-16 हेतु घोषित आवेदन की तिथियाँ			पात्रता
	नियमित छात्र	हॉस्टल छात्र	नवीन आवेदन Fresh	नवीनीकरण आवेदन Renewal	आवेदन का प्रकार	
कक्षा 1 से 5	रु.1000		1 मई से 31 जुलाई	1 मई से 31 जुलाई	ऑफलाईन	विद्यार्थी के परिवार की कुल वार्षिक आय रु. 1 लाख या कम
कक्षा 6 से 10	रु.5000	रु.10,000	1 मई से 31 जुलाई	1 मई से 31 जुलाई	ऑफ लाईन (कक्षा 6 से 8) ऑन लाईन (कक्षा 9 से 10)	

पोस्ट मेट्रिक स्कोलरशिप

कक्षा 11 एवं 12	रु.9300	रु.10800	1 जून से 15 सितंबर	1 जून से 10 अक्तूबर	ऑनलाईन	विद्यार्थी के परिवार की कुल वार्षिक आय रु. 2 लाख या कम
स्नातक, अनुस्नातक डिप्लोमा आदि सभी कोर्स	रु.6000	रु.8700	1 जून से 15 सितंबर	1 जून से 10 अक्तूबर	ऑनलाईन	
व्होकेशनल (ITI) कोर्स	रु.12,300	रु.13,800				
एम.फिल. व पी.एच.डी.	रु.5,500	रु.12,000				

मेरिट कम मीन्स स्कोलरशिप

सभी तकनीकी एवं व्यावसायिक कोर्स	रु.25,000	रु. 30,000	1 जून से 30 सितंबर	1 जून से 15 नवंबर	ऑनलाईन	विद्यार्थी के परिवार की कुल वार्षिक आय रु. 2 .5 लाख या कम

महत्वपूर्ण: सम्पूर्ण देश मे 84 प्रीमियर संस्थान ऐसे हैं जिनमें अध्ययनरत विद्यार्थियों को प्रवेश व शिक्षण शुल्क की सम्पूर्ण राशी छात्रवृत्ति में देय है. संस्थानों की जानकारी www.minorityaffairs.gov.in पर उपलब्ध है. अधिक जानकारी करने हेतु हमसे संपर्क करें

छात्रवृत्ति पात्रता के सामान्य नियम

- गत वार्षिक परीक्षा मे 50% या अधिक अंक आवश्यक
- एक परिवार के अधिकतम 2 विद्यार्थी एक समय में छात्रवृत्ति प्राप्त कर सकेंगे
- 30% छात्रवृत्तियाँ विद्यार्थिनियों हेतु आरक्षित
- छात्रवृत्ति की सम्पूर्ण राशी अब सीधे ही विद्यार्थी के बचत बैंक खाते में जमा होगी
- छात्रवृत्ति मिलना प्रारंभ होने पर योजना अवधि या कोर्स के पूर्ण होने की अवधि तक प्रति वर्ष छात्र पात्रता के अधीन छात्रवृत्ति का अधिकारी
- अल्पसंख्यक प्रमाण पत्र की आवश्यक्ता नहीं. सादे कागज पर विद्यार्थी द्वारा स्वघोषणा पर्याप्त
- पारिवारिक आय का प्रमाण पत्र सरकारी सक्षम अधिकारी द्वारा प्राप्त करना आवश्यक
- सभी on-line आवेदन अब मात्र www.scholarships.gov.in पर logon कर होंगें

अन्य योजनाएँ

- उच्च शिक्षा में देश व विदेश में अध्ययन हेतु National Minorities Development & Finance corporation (NMDFC) की कम ब्याज दर की ऋण योजना।
- विदेश में उच्च शिक्षा या पी.एच.डी. करने हेतु "ब्याज मुक्ति" की "पढ़ो परदेश" योजना।
- फ्री कोचिंग सुविधाओं की अनेक योजनाएँ।
- एम. फिल. व पी. एच. डी. करने वाले प्रत्याशियों को रु. 25,000 व 28,000 क्रमश:
- प्रतिमाह की मौलाना आजाद राष्ट्रीय फॅलोशिप योजना।
- 11 वीं कक्षा की मेघावी विद्यार्थिनियों हेतु मौलाना आज़ाद छात्रवृत्ति योजना।

हमारें द्वारा संचालित अल्पसंख्यक लाभों पर देशव्यापी जन जाग्रति अभियान के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं की जानकारी, योजनाओं के नियमों की जानकारी, सरकार द्वारा योजनाओं मे समय – समय पर किए जाने वाले परिवर्तनों की जानकारी, लाभ प्राप्त करने हेतु आवेदन के तरीकों की जानकारी तथा महत्वपूर्ण सूचनायें आदि नियमित रूप से आप सभी समाजजन् को whatsApp सेवा के माध्यम से देना प्रारम्भ किया है। अल्पसंख्यक लाभ विषय पर आप सभी को नियमित सलाह–सूचना एवं मार्गदर्शन देने के अतिरिक्त आपके पूछे गए प्रश्नों के उत्तर व समाधान भी तुरंत दिए जाएँगे।

इस सेवा का लाभ जैन समाज के प्रत्येक सदस्य को मिले अत: आपसे प्रार्थना है कि इस सेवा में आपका पंजीयन, निम्न जानकारी SMS या ई मेल से देकर करवाएँ.

आपका नाम, मोबाईल नंबर, ई मेल Id, गाँव/शहर का नाम एवं राज्य, हमारे मोबाईल नंबर 9158887019 पर SMS या ई मेल helpminority@bjsindia.org पर प्रेषित करें.

आपसे यह भी प्रार्थना है कि इस सूचना को जैन समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुचाएं व उन्हें इस सेवा में पंजीयन कराने हेतु प्रेरित करें। समाज हित में आपसे इस सेवा से जुड़ने हेतु प्रार्थना करते हैं।

छात्रवृत्ति योजनाओं में ऑनलाईन आवेदन करने के पश्चात की प्रक्रिया

प्रधानमंत्री के 15 सूत्री कार्यक्रम के तहत अल्पसंख्यक समुदायों के विद्यार्थियों हेतु केन्द्र सरकार की विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं में ऑनलाईन आवेदन 'www.scholarships.gov.in' पर ही किये जा सकेंगे. ऑनलाईन आवेदन के पश्चात आवेदन पत्र डाऊनलोड करने तथा प्रिंट लेने की सुविधा है. आवेदन पत्र (Hard Copy) निम्न दस्तावेज संलग्न कर विद्यार्थी को उसकी शैक्षणिक संस्था के प्रधानाध्यापक/प्रधानाचार्य के पास जमा करवाना होता है ताकि वे आवेदन पत्र सत्यापित कर संबंधित सरकारी विभाग को प्रेषित कर सकें.

आवेदन पत्र के साथ निम्न दस्तावेज संलग्न करने है :

- हस्ताक्षरित पासपोर्ट साईज फोटो
- मूल निवास प्रमाण पत्र
- पिछली सभी परीक्षाओं की कक्षा 10 से लेकर अंतिम परीक्षा की अंक तालिकाओं (Mark sheets) की स्वयं सत्यापित छाया प्रतियां
- अल्पसंख्यक शपथ पत्र (विद्यार्थी द्वारा सादे कागज़ पर)
- पारिवारिक आय प्रमाण पत्र (सरकारी सक्षम अधिकारी द्वारा जारी)
- छात्र के बैंक बचत खाते की छाया प्रति जिसमें बैंक का IFSC कोड साफ लिखा हो

ऑनलाईन आवेदन करने मे आ रही कठिनाईयों के समाधान प्राप्त करने व अधिक जानकारी हेतु हमसें Email- helpminority@bjsindia.org पर सम्पर्क करें।

मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय फ़ेलोशिप हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 30 जून

ऐसे अनुसंधानकर्ता जिनका M.Phill या Ph.D. में पंजीयन इस वर्ष या गत वर्षों में हुआ है व जो नियमित अथवा पूर्ण समय के आधार पर अनुसंधानरत हैं, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय फेलोशिप हेतु 30 जून 2015 से पूर्व आवेदन करें। इस वर्ष जैन समुदाय को कुल 20 फ़ेलोशिप आवंटित की गई हैं। Junior व Senior Research Fellows को रू 25,000 व रू 28,000 क्रमश: प्रतिमाह दिये जाते हैं। आवेदन हेतु पात्रता नियमों मे आवेदनकर्ता कीपारिवारिक आय रु 2.50 लाख से अधिक न हो व उसे किसी भी तरह की ग्रांट या अनुदान विश्वविद्यालय या किसी अन्य माध्यम से प्राप्त न हो रहा हो। आवेदन करने संबंधी नियम एवं जानकारी तथा आवश्यक दस्तावेज़ो का विवरण प्राप्त करने हेतु http://www.ugc.ac.in/manf/default.aspx का भ्रमण करें। अधिक जानकारी हेतु हमसे संपर्क करें।

क्या आप देश के प्रीमियर शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत हैं ?

देश मे ऐसे 85 प्रीमियर शिक्षण संस्थान है जिनमें सभी राज्यों में Institute of Management, IIT, National Institute of Design, National Institute of Fashion Technology आदि का समावेश है। इन प्रीमियर संस्थानों की राज्यवार विगत प्राप्त करने हेतु अल्पसंख्यक मंत्रालय की वैबसाईट 'www.momascholarship.gov.in' पर लोग ऑन करे। तकनीकी व उच्च शिक्षण प्राप्त कर रहे अल्पसंख्यक समुदाय के विद्यार्थी यदि इन प्रीमियर संस्थानों मे अध्ययनरत हैं तो उन्हे प्रधानमंत्री के १५ सूत्री कार्यक्रम के तहत 'Merit-cum-Means' छात्रवृत्ति योजना मे शुल्क की सम्पूर्ण राशी छात्रवृत्ति मे देने का प्रावधान है। आवेदन 1 जून से 30 सितंबर तक ऑन लाईन किए जा सकेंगे जिस हेतु केंद्र सरकार की 'www.maef.nic.in' पर किए जा सकेंगे।

कक्षा 11 वीं की मेघावी छात्राओं हेतु छात्रवृत्ति की विशेष योजना

अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं के शैक्षणिक विकास के उद्देश्य से भारत सरकार की प्रधानमंत्री के 15 सूत्री कार्यक्रम के तहत 11वीं कक्षा में अध्ययनरत मेघावी छात्राओं को मौलाना आज़ाद छात्रवृत्ति योजना मे रू 12,000 छात्रवृत्ति के रूप मे देने का प्रावधान है।

कक्षा 11वीं मेन अध्ययनरत छात्राएँ जिन्हें कक्षा 10 की वार्षिक परीक्षा में 55% अंक प्राप्त हुए हैं व जिनके परिवार की वार्षिक आय रु 1 लाख से अधिक नहीं है, आवेदन हेतु पात्रता रखती हैं। आवेदन पत्र 'www.maef.nic.in' से डाउनलोड कर ऑफलाईन पद्धति से आवेदन करें। आवेदन की अंतिमतिथि 30 सितंबर हैं। आवेदन पत्र सभी आवश्यक दस्तावेज़ों के साथ मौलाना आज़ाद शिक्षा संस्थान, सामाजिक न्यास सेवा केंद्र, चेम्सफर्ड रोड, नई दिल्ली 110055 पर प्रेषित करें। अधिक जानकारी हेतु व आवेदन पत्र ईमेल पर प्राप्त करने हेतु हमसे संपर्क करें।

भारतीय जैन संगठन ने

नेपाल में १०० शासकीय ग्रामीण स्वास्थ्य केन्द्रों के निर्माण का बीडा उठाया।

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

एक अवसर

इन स्वास्थ्य केन्द्र/केन्द्रों को
प्रायोजित करने का

बीजेएस मिशन से जुडिये





एक स्वास्थ्य केन्द्र की
अनुमानित लागत १६ लाख रुपये है

- इस कार्य द्वारा आप अन्य लोगों के लिये आदर्श स्थापित कर सकते हैं
- स्वास्थ्य केन्द्र का प्रायोजन आप व्यक्तिगत रुप से अथवा संघ के रुप में भी कर सकते हैं
- इस स्वास्थ्य केन्द्र पर आपका नाम हमेशा के लिये अंकित किया जाएगा
- आपके द्वारा प्रायोजित केन्द्र का उदघाटन भी आपके हाथों ही होगा

प्रायोजन हेतू ऑनलाइन फॉर्म उपलब्ध : http://bjsindia.org/sponsorshipform.php

एक अच्छा कर्म वह अमिट छाप छोडता है जो हजारों शब्द भी नहीं कर सकते

शांतिलाल मुथ्था

(संस्थापक, भारतीय जैन संगठन)

संपर्क करें : मेघना देसाई
@ mdesai@bjsindia.org
09822936922

Type design of rural hospital prepared and approved by MoHP, Nepal

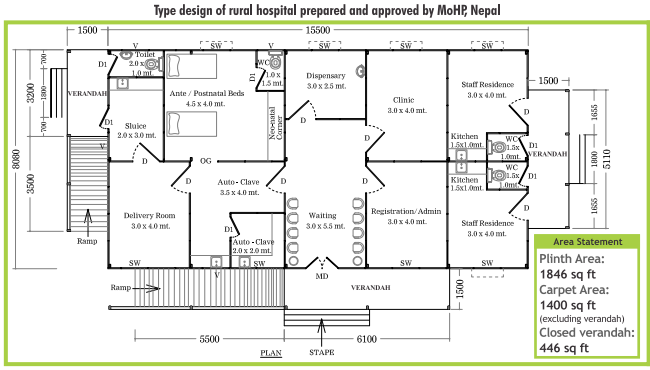

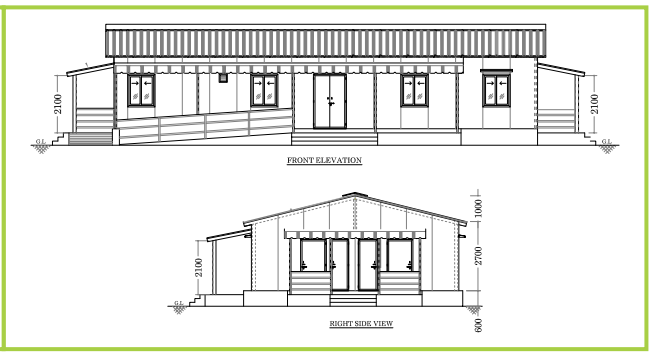

Book-Post

BJS
Bharatiya Jain Sangathan
Ground Floor, Muttha Towers, Loop Road,
Near Don Bosco Church, Yerawada, Pune 411006
Tel.: 020 4128 0011, 4128 0012, 4128 0013
Website : www.bjsindia.org E mail : info@bjsindia.org
Facebook : www.facebook.com/BJSIndia